Toppersnotes®
Unleash the topper in you

मध्य प्रदेश

वनरक्षक

MADHYA PRADESH PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD

भाग – 3

सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

मध्यप्रदेश – वनरक्षक

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	हिन्दी	
1.	वर्ण विचार	1
2.	संज्ञा	5
3.	सर्वनाम	7
4.	संधि	8
5.	समास	24
6.	उपसर्ग	30
7.	प्रत्यय	33
8.	लिंग	37
9.	वचन	42
10.	क्रिया	43
11.	कारक	51
12.	काल	55
13.	अलंकार	57
14.	रस	62
15.	तत्सम - तद्भव	64
16.	वाक्य रचना	66
17.	वर्तनी शुद्धि	70
18.	शुद्ध–वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि	73
19.	एकार्थी शब्द	84
20.	शब्द युग्म	91
21.	विलोम – शब्द	102
22.	पर्यायवाची	110
23.	मुहावरे	113
24.	लोकोक्ति	120
25.	अनेकार्थक शब्द	124
26.	रचना एवं रचनाकार	127

English

1. **Parts of Speech**
   - Noun 135
   - Pronoun 141
   - Adjective 147
   - Verb 152
   - Adverb 158
   - Conjunction 165
   - Preposition 171
2. Articles & Determiners 189
3. Time and Tense 195
4. Subject Verb Agreement 200
5. Antonyms & Synonyms
6. One Word Substitution
7. Homonyms
8. Idioms & Phrases
9. Spelling Correction
10. Fill In the Blanks 204
11. Spotting Errors 217

सामान्य हिन्दी

वर्ण विचार

भाषा – परस्पर विचार विनियम को भाषा कहते हैं।

- भाषा संस्कृत के भाष् शब्द से बना है । भाष् का अर्थ है बोलना ।
- भाषा की सार्थक इकाई वाक्य है । वाक्य से छोटी इकाई उपवाक्य, उपवाक्य से छोटी इकाई पदबंध, पदबंध से छोटी इकाई पद (शब्द), पद से छोटी इकाई अक्षर व अक्षर से इकाई ध्वनि या वर्ण है ।
- जैसे – हम शब्द में दो अक्षर (हम) एवं चार वर्ण (ह् अ म् अ) है ।

लिपि –किसी भाषा को लिखनें का ढंग लिपि कहलाता है । हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है । इसकी निम्न विशेषताएँ है ।

(i) यह बाएँ से दायें लिखी जाती है ।
(ii) प्रत्येक वर्ण का एक ही रूप होता है ।
(iii) उच्चारण के अनुरूप लिखी जाती है अर्थात जैसे बोली जाती है, वैसी लिखी जाती है ।

व्याकरण – जिस शास्त्र में शब्दों के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियमों का निरूपण होता है, उसे व्याकरण कहते है ।

वर्ण – हिंदी भाषा में वर्ण वह मूल ध्वनि है जिसका विभाजन नहीं हो सकता

किसी भी भाषा की सबसे छोटी इकाई (ध्वनि) वर्ण कहलाती है ।
जैसे :- क्, च्, ट् अ, इ, उ

वर्ण के भेद :- 2 प्रकार
(i) स्वर वर्ण (ii) व्यंजन वर्ण

स्वर वर्ण :- स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते है । हिन्दी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर ध्वनियाँ शामिल की गयी है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वरो का वर्गीकरण :- मुख्यतः 5 आधार पर वर्गीकरण किया गया है ।

1. मात्राकाल के आधार पर – 3 प्रकार
(i) ह्रस्व स्वर – जिनके उच्चारण मे एक मात्रा का समय लगता है –
अ, इ, उ, ऋ (कुल संख्या –4)

नोट :- (इनको एकमात्रिक स्वर, मूल स्वर भी कहते है)

(ii) दीर्घ स्वर – जिनके उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है – आ, ई, ऊ, ए, ऐ ओ, औ (कुल संख्या – 7)

(iii) प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में तीन मात्राओ का समय लगता है – स्वर के प्लुत रूप को दर्शाने के लिए उनके साथ ३ का चिह्न लगाया जाता है ।
जैसे :- अ३, आ३, इ३, ई३, उ३, ऊ३, ए३, ऐ३, ओ३, औ३,

(2) उच्चारण के आधार पर :- (2 प्रकार)
(i) अनुनासिक स्वर – स्वर का उच्चारण करने पर वायु मुख व नाक दोनो से बाहर आती है ।

नोटः– अनुनासिक रूप को दर्शाने के लिए चन्द्रबिंदु का प्रयोग होता है ।
जैसे :- अँ आँ इँ ईं उँ ऊँ एँ, ऐं ओं औं

(ii) अननुनासिक/निरनुनासिक स्वर – जब किसी स्वर का उच्चारण करनें पर श्वास वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है । वह अननुनासिक/ निरनुनासिक स्वर कहलाता है ।
बिना चन्द्रबिन्दु के अपने मूल रूप में लिखे हुए स्वर अनुनासिक माने जाते है ।
जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ए, ऐ, ओ, औ,

(3) जिह्वा के आधार पर :- (3 प्रकार)
(i) अग्र स्वर :- उच्चारण करने पर जीभ के आगे वाले भाग मे सर्वाधिक कम्पन होना ।
जैसे – इ, ई, ए, ऐ
(ii) मध्य स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के मध्य भाग में कम्पन – अ

(iii) पश्च स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के पिछले भाग में अधिक कम्पन ।
आ, उ, ऊ, ओ, औ

पहचान :- निम्न सारणी के माध्यम से अग्र, पश्च, मध्यम भाग को जाने

मध्य – अ – मध्य
इ ई ए ऐ – अग्र
आ उ ऊ ओ औ – पश्च

(4) होठों की गोलाई के आधार पर – 2 प्रकार

(i) वृत्ताकार - उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल हो जाना ।
जैसे :- उ, ऊ ओ, औ

(ii) अवृत्ताकार - उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल न होकर ऊपर-नीचे फैलना ।
जैसे - अ, आ, इ, ई ए, ऐ

(5) मुखाकृति के आधार पर - 04 प्रकार
(i) संवृत स्वर - उच्चारण करने पर मुँह का कम खुलना ।
जैसे - इ, ई, उ, ऊ

(ii) अर्द्ध संवृत स्वर - उच्चारण करने पर मुँह का संवृत से थोडा ज्यादा खुलना - ए, ओ

(iii) विवृत - उच्चारण करने पर मुख का सबसे ज्यादा खुलना । जैसे - आ

(iv) अर्द्धविवृत :- उच्चारण करने पर मुँह का विवृत से थोडा कम खुलना ।
जैसे - अ, ऐ, औ, ऑ

व्यंजन वर्ण

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है ।
हिन्दी वर्णमाला में कुल 35 मूल (33 + 2 उत्क्षिप्त) व्यंजन ध्वनियाँ होती है ।
जिनको तीन भागों में बाँटा गया है ।
(i) स्पर्श व्यंजन - (27) (मूल 25 + 2 उत्क्षिप्त)
(ii) अतः स्थ व्यंजन - (04)
(iii) उष्म व्यंजन - (04)

(i) स्पर्श व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु हमारे मुख के किसी अंग को स्पर्श करने के बाद मुख से बाहर निकलती है तो वह स्पर्श व्यंजन कहलाती है ।

स्पर्श व्यंजन को 5 भागों में बाँटा गया है -
(अ) 'क' वर्ग - क् ख् ग् घ् ङ्
(ब) 'च' वर्ग - च् छ् ज् झ् ञ्
(स) 'ट' वर्ग - ट् ठ् ड् ड़् ढ् ढ़् ण्
(द) 'त' वर्ग - त् थ् द् ध् न्
(य) 'प' वर्ग - प् फ् ब् भ् म्

(ii) अतः स्थ व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर सर्वप्रथम हमारे मुख के अन्दर स्थित स्वर तंत्रियो में कम्पन होता है, व उसके बाद श्वास वायु मुख में बाहर निकलती है तो वह अन्तःस्थ व्यंजन कहलाती है ।

कुल अन्तः स्थ व्यंजन - 4
जैसे :- य् व् र् ल्

(iii) उष्म व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु मुख से बाहर निकलते समय हल्की गर्म हो जाती है, तो वह उष्म व्यंजन कहलाता है ।

कुल उष्म व्यंजन - 4
जैसे - श् ष् स् ह्

संयुक्त व्यंजन :- इसी श्रेणी मे 4 व्यंजन शामिल किये जाते है ।
क्ष - क् + ष
त्र - त् + र
ज्ञ - ज् + ञ
श्र - श् + र

व्यंजनों का वर्गीकरण - मुख्यतः 2 प्रकार
(1) उच्चारण स्थान के आधार पर
(2) प्रयत्न के आधार पर

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर -

i. कण्ठ स्थान - 'कण्ठ्य वर्ग'
सूत्र - अकुहविसर्जनीयानां कण्ठः
अ, आ, क वर्ग (क,ख,ग,घ,ङ) ह, विसर्ग (अः)

ii. तालु स्थान - तालव्य वर्ग
सूत्र - इचुयशानां तालु
इ, ई, च वर्ग (च,छ,ज,झ,ञ) य, श

iii. मूर्धा स्थान - मूर्धन्य वर्ण
सूत्र - ऋटुरषाणां मूर्धा
ऋ,ॠ ट वर्ग (ट,ठ,ड,ड़,ढ,ढ़,ण) र, ष

iv. दन्त स्थान - दन्त्य वर्ण
सूत्र - लृतुलसानां दन्ता
लृ, त वर्ग (त,थ,द,ध,न) ल, स

v. ओष्ठ स्थान - ओष्ठ्य वर्ण
सूत्र - उपूपध्मानीया ना मो ष्ठौ
उ, ऊ, प वर्ग (प,फ,ब,भ,म)
उपध्मानीय वर्ण (ᳶप, ᳶफ)

vi. नासिका स्थान - नासिक्य वर्ण
सूत्र - नासिका अनुस्वारस्य (अं)
ञमङणनानां नासिका च
(ङ् ञ ण न म्)

vii. दन्तोष्ठ स्थान – दन्तोष्ठ्य वर्ण
सूत्र – वकारस्य दन्तोष्ठम् – व

(2) प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण
मुख्यतः 3 भागों में बाँटा गया है –
(i) कंपन के आधार पर
(ii) श्वास वायु के आधार पर
(iii) उच्चारण के आधार पर

(i). कंपन के आधार पर – इसके आधार पर दो प्रकार के वर्ण होते है।

1) अघोष वर्ण – प्रत्येक वर्ग का पहला + दूसरा वर्ण + श,ष,स+विसर्ग
अघोष वर्ण – ट्रीक – 1,2 बजते ही उष्मा में विसर्जन का अवघोष हो जाता है। प्रत्येक वर्ग का पहला, दूसरा वर्ण, उष्म वर्ण (श,ष,स) विसर्ग

2) घोष वर्ण – प्रत्येक वर्ग का 3,4,5 वर्ण + ड, ढ + य,र,ल,व,ह + सभी स्वर + अनुस्वार
घोष वर्ण – ट्रीक – 3,4,5 की घुस लेते ही सभी स्वरों को ड ढ के साथ नियम अनुसार अंदर कर दिया।
प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण + सभी स्वर + ड ढ + अनुस्वार

(ii). श्वास वायु के आधार पर –
मुख्यतः दो प्रकार के होते है।

1) अल्पप्राण – प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा, पाँचवा वर्ण + ड़ा, र, ल, व + सभी स्वर
अल्प प्राण – ट्रीक –उल्प आयु में 1,3,5 का अन्त हुआ व ड़ के साथ सभी स्वर्ग गये।
अल्पप्राण में आने वाले व्यंजन – प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा, पाँचवाँ वर्ण + अतःस्थ व्यंजन + ड सभी स्वर

2) महाप्राण – प्रत्येक वर्ग का 2,4 वर्ण + ढ + श, ष, स, ह
महाप्राण –महाम 2,4 घण्टे ढका रहने से उष्मा बढ़ती है।
महाप्राण में आने वाले वर्ण – प्रत्येक वर्ग का 2 व 4 वर्ण, + उष्म वर्ण (श,ष,स) + ह वर्ण)

(iii). उच्चारण के आधार पर –
इस आधार पर व्यंजन 8 प्रकार के होते है।

1) स्पर्शी व्यंजन (16) क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
2) स्पर्श संघर्षी व्यंजन (4) – च, छ, ज, झ
3) संघर्षी व्यंजन (4) – श, ष, स, ह
4) नासिक व्यंजन (5) – ङ, ञ, ण, न, म
5) उत्क्षिप्त व्यंजन (2) – ड़, ढ
6) प्रकंपित व्यंजन (1) – र
7) पार्श्विक व्यंजन (1) – ल
8) संघर्षहीन व्यंजन (2) – य, व

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य ''वर्ण विचार'' से संबंधित)

- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है।
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है।

समानाक्षर स्वर	संधि स्वर
(i) आ – अ + अ	ए – अ + इ
(ii) ई – इ + इ	ऐ – अ – ए
(iii) ऊ – उ + उ	औ – अ + ओ

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे आगत/गृहीत व्यंजन कहा जाता है।
- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है।

क़ – क़रीब
ख़ – ख़ाना
ग़ – ग़म
ज़ – ज़रा
फ़ – फ़न फ़ाइल (अंग्रेजी)

अंग्रेजी से गृहीत स्वर.
ऑ (ॉ)
जैसे – कॉलेज, डॉक्टर

- हिन्दी भाषा में आगत व्यंजनो का आगमन अरबी/फारसी, अंग्रेजी भाषा से हुआ है।
- हिन्दी भाषा में नुक्ता व्यंजन की शुरूआत का श्रेय हिन्दी विद्वान ''शिवप्रसाद सितारे हिंद'' को जाता है।

(2) काकल वर्ण के अन्तर्गत है, (:) विसर्ग को शामिल किया जाता है।

- वर्त्स वर्णों में न, स, ल को शामिल किया जाता है ।
- उच्चारण स्थानों के अलावा शरीर के वे अंग जा उच्चार करनें में सहायक हो करण कहलते है । इसकी कुल संख्या चार होती है ।
  (1) जिह्वा (2) अधरोष्ठ (नीचे का होंठ) (3) स्वर तंत्रियाँ (4) कोमल तालु
- तालु उच्चारण स्थान में आनें वाले वर्णो को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागो में विभाजित किया गया है ।
- हिन्दी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है । क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वरों में जोडा जाता है व न ही व्यंजनों में अतः अयोगवाही वर्ण कहलाते है ।
- हल् चिह्न (्) व्यंजन के स्वर रहित होनें को परिचायक है । स्वर रहित व्यंजन के साथ हल् का चिह्न लगाया जाता है या फिर खडी पाई वाले व्यंजन चिह्नो की खडी पाई हटा दी जाती है । उसके अर्द्धरूप का प्रयोग किया जाता है ।
  जैसे- विद्या, पाठ्य, अपराह्न, पट्टा आदि ।

1. नांद या संवार वर्ण – सभी घोष वर्णों को ही कहा जाता है ।
2. विवार या श्वास वर्ण – सभी अघोष वर्णों को ही कहा जाता है ।
3. स्पृष्ठ वर्ण – सभी स्पर्श व्यंजन वर्णों को ही कहा जाता है ।
4. ईषत्स्पृष्ट वर्ण – अन्तस्थ व्यंजन (य,र,ल,व) वर्णों को ही कहा जाता है ।
5. ईषद्विवृत वर्ण – उष्म व्यंजन (श, ष, स, ह)
6. रक्त वर्ण –प्रत्येक वर्ग का पाँचवा वर्ण
7. सोष्म व्यंजन वर्ण – प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण

ध्यान दें – हिन्दी वर्णमाला में मूल रूप से 11 स्वर व 33 व्यंजन सहित कुल 44 वर्ग होते है ।

हिन्दी वर्णमाला की वर्तमान में अपवादित स्थिति को सारणी के माध्यम से समझें ।

स्वर	व्यंजन	कुल
स्वर 11	व्यंजन 33	44
–	ड़, ढ़ + (2) (उत्क्षिप्त व्यंजन)	46
–	अं, अः + (2) (अयोगवाह)	48
–	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र + (4) संयुक्त व्यंजन	52
	क़ ख़ ग़ ज़ फ़ + 5 गृहीत व्यंजन	57

<u>नोट</u> – सर्वमान्य मत हिन्दी वर्णमाला में कुल 44 वर्ण होते है ।

<u>उत्क्षिप्त वर्ण</u>

जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मूर्धा को स्पर्श कर तुरन्त नीचे गिरती है, उन्हे उत्क्षिप्त वर्ण कहते है ।

जैसे – ड़, ढ़

नियम – 1. यदि शब्द की शुरूआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया, ढक्कन, डाली

नियम – 2. यदि शब्द के अन्तर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – पण्डित, बुड्ढा, अड्डा, खण्ड, मण्डल आदि ।

- उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिन्दु आता है ।
  जैसे – पढ़ाई, लड़ाई, सड़क, पकड़ना, ढूँढ़ना आदि ।

<u>रकार/रेफ या र संबंधि नियम</u>

नियम 1. – यदि र् के बाद व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखते है अर्थात जिस व्यंजन वर्ण से पहले र् का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखा जाता है ।

जैसे – कर्म, धर्म, वर्ण, दर्शक, स्वर्ग, अर्थात् , पुनर्जन्म, पुर्निमाण, आशीर्वाद ।

नियम 2. – यदि र् से पहले व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के मध्यय में लिखा जाता है ।

जैसे – प्रकाश, प्रभात, प्रेम, क्रम, भ्रम, भ्रष्ट, भ्राता

संज्ञा

परिभाषा

- किसी प्राणी, स्थान, वस्तु तथा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाती हैं।
- साधारण शब्दों में नाम को ही संज्ञा कहते है।
- जैसे – अजय ने जयपुर के हवामहल की सुंदरता देखी।
- अजय एक व्यक्ति है, जयपुर स्थान का नाम है, हवामहल वस्तु का नाम है।

संज्ञा के भेद –

संज्ञा के मुख्यतः तीन भेद है –

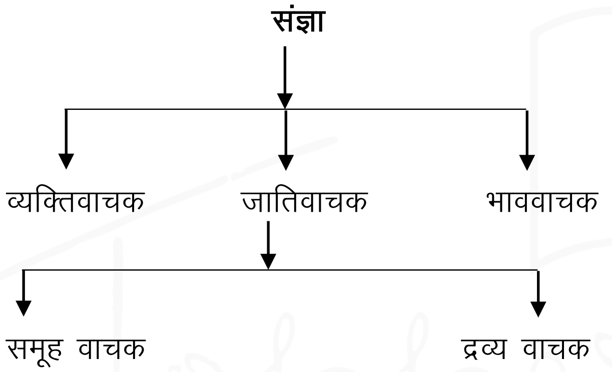

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** – जिस संज्ञा शब्द से एक ही व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
   - व्यक्तिवाचक संज्ञा विशेष का बोध कराती है सामान्य का नही।
   - व्यक्तिवाचक संज्ञा में व्यक्तियों, देशों, शहरों, नदियों, पर्वतों, त्योहारों, पुस्तकों, दिशाओ, समाचार–पत्रों, दिन, महीनों के नाम आते हैं।

2. **जातिवाचक संज्ञा** – जिस संज्ञा शब्द से किसी जाति के संपूर्ण प्राणियों, वस्तुओं, स्थानों आदि का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। प्रायः जातिवाचक वस्तुओं, पशु–पक्षियों, फल–फूल, धातुओं, व्यवसाय संबंधी व्यक्तियों, नगर, शहर, गाँव, परिवार, भीड़ जैसे समूहवाची शब्दों के नाम आते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा
प्रशान्त महासागर	महासागर
भारत, राजस्थान	देश, राज्य
रामचन्द्र शुक्ल, महावीर द्विवेदी	इतिहासकार, कवि
रामायण, ऋग्वेद	ग्रंथ, वेद
अजय की भैंस	भदावरी, मुर्रा
हनुमानगढ, नोहर	जिला, उपखण्ड
ग्राण्ड ट्रंक रोड़	रोड़, सड़क

3. **भाववाचक संज्ञा** – जिस संज्ञा शब्द में प्राणियों या वस्तुओं के गुण, धर्म, दशा, कार्य, मनोभाव, आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
   - प्रायः गुण–दोष, अवस्था, व्यापार, अमूर्त भाव तथा क्रिया भाववाचक संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।
   - भाववाचक संज्ञा की रचना मुख्यतः पाँच प्रकार के शब्दों से होती हैं।
     1. जातिवाचक संज्ञा से
     2. सर्वनाम से
     3. विशेषण से
     4. क्रिया से
     5. अव्यय से

जातिवाचक संज्ञा से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन
शिशु	शैशव
ईश्वर	ऐश्वर्य
विद्वान	विद्वता
व्यक्ति	व्यक्तित्व
मित्र	मित्रता
बंधु	बंधुत्व
पशु	पशुता
बूढ़ा	बुढापा
पुरूष	पुरूषत्व
दानव	दानवता
इंसान	इंसानियत
सती	सतीत्व
लड़का	लड़कपन
आदमी	आदमियत
सज्जन	सज्जनता
गुरु	गौरव
चोर	चोरी
ठग	ठगी

विशेषण से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
बहुत	बहुतायत
न्यून	न्यूनता
कठोर	कठोरतर
वीर	वीरता
विधवा	वैधव्य
मूर्ख	मूर्खता
चालक	चालाकी
निपुण	निपुणता
शिष्ट	शिष्टता
गर्म	गर्मी
ऊँचा	ऊँचाई
आलसी	आलस्य
नम्र	नम्रता
सहायक	सहायता
बुरा	बुराई
चतुर	चतुराई
मोटा	मोटापा
शूर	शौर्य/शूरत
स्वस्थ	स्वास्थ्य
सरल	सरलता
मीठा	मिठास
आवश्यक	आवश्यकता
निर्बल	निर्बलता
हरा	हरियाली
काला	कालापन/कालिमा
छोटा	छुटपन
दुष्ट	दुष्टता

क्रिया से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

क्रिया	भाववाचक संज्ञा
बिकना	बिक्री
गिरना	गिरावट
थकना	थकावट
खेलना	खेल
हारना	हार
भूलना	भूल
पहचानना	पहचान
खेलना	खेल
सजाना	सजावट
लिखना	लिखावट
जमना	जमाव
पढ़ना	पढ़ाई
हंसना	हँसी
भूलना	भूल
उड़ना	ऊड़ान

अव्यय से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

अव्यय	भाववाचक संज्ञा
उपर	उपरी
समीप	सामीप्य
दूर	दूरी
धिक्	धिक्कार
निकट	निकटता
शीघ्र	शीघ्रता
मना	मनाही

- 'अन' प्रत्यय से जुड़ें शब्द भाववचाक संज्ञा शब्द माने जाते हैं।
  जैसे – व्याकरण वि + आ + कृ + अन
  कारण कृ + अन
- कुछ विद्वानों ने संज्ञा के दो अन्य भेद भी स्वीकार किये हैं।

1. **समुदायवाचक संज्ञा –** ऐसे संज्ञा शब्द जो किसी समूह की स्थिति को बताते हैं। समुदाय वाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे – सभा, भीड़, ढेर, मण्डली, सेना, कक्षा, जुलूस, परिवार, गुच्छा, जत्था, दल आदि।

2. **द्रव्य वाचक संज्ञा –** किसी द्रव्य या पदार्थ का बोध कराने वाले शब्दों को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
   जैसे – दूध, धी, तेल, लोहा, सोना, पत्थर, ऑक्सीजन, पारा, चाँदी, पानी आदि।

नोट – जातिवाचक संज्ञा का कोई शब्द यदि वाक्य प्रयोग में किसी व्यक्ति के नाम को प्रकट करने लगे तो वहाँ व्यक्तिवाचक संज्ञा मानी जाती है।

आजाद – भारत की स्वतंत्रता में चन्द्रशेखर आजाद ने महत्त योगदान दिया था।

सरदार – सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत को जोड़नें की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

गाँधी – गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को शुरू किया था।

- ओकारान्त बहुवचन में लिखा विशेषण शब्द विशेषण न मानकर जातिवाचक संज्ञा शब्द माना जाता है।

  जैसे –

  गरीब गरीबों
  बड़ा बड़ों
  अमीर अमीरों

सर्वनाम

परिभाषा – भाषा में सुंदरता, संक्षिप्तता, एवं पुनरुक्ति दोष से बचने के लिए संज्ञा के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह सर्वनाम कहलाता है।

- सर्वनाम शब्द सर्व + नाम के योग से बना है जिसका अर्थ है – सब का नाम।
- सभी संज्ञाओं के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के प्रयोग से वाक्य में सहजता आ जाती है।
  जैसे – अमर आज विद्यालय नहीं आया क्योंकि वह अजमेर गया है।
- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के भेद – सर्वनाम के कुल 06 भेद हैं

1. पुरुषवाचक
2. निश्चय वाचक
3. अनिश्चय वाचक
4. संबंध वाचक
5. प्रश्न वाचक
6. निजवाचक

1. पुरुषवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग वक्ता, श्रोता, अन्य तीसरा (कहनें वाला, सुनने वाला, अन्य) जिसके लिए कहा जाए, के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम को भी तीन भागों में बाँटा गया है

पुरुषवाचक सर्वनाम

उत्तम पुरुष | मध्यम पुरुष | अन्य पुरुष

(i) उत्तम पुरुष – बोलने वाला / लिखने वाला
जैसे – मैं, हम, हम सब।

(ii) मध्यम पुरुष – श्रोता/सुनने वाला
जैसे – तू, तुम, आप, आप सब।

(iii) अन्य पुरुष – बोलने वाला व सुनने वाला जिस व्यक्ति या तीसरे के बारें में बात करें वह अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – यह, वह, ये, वे, आप।

2. निश्चय वाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जो पास या दूर स्थित व्यक्ति या पदार्थ की ओर निश्चितता का बोध कराते हैं। वे निश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
पास की वस्तु के लिए – यह
दूर की वस्तु के लिए – वह

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु के बारें में निश्चतता का बोध नहीं होता हैं। अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – कोई

- सजीवता के लिए – 'कोई' का प्रयोग
  निर्जीवता के लिए – 'कुछ' का प्रयोग
- रमन को कोई बुला रहा है।
- दूध मे कुछ गिरा है।

4. संबंधवाचक सर्वनाम – दो उपवाक्यों के बीच आकर सर्वनाम का संबंध दूसरे उपवाक्य के साथ दर्शाने वाले सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – जिसकी लाठी उसकी भैंस।
जो मेहनत करेगा वो सफल होगा।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम – जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता हैं वह प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – वहाँ गलियारे से होकर कौन जा रहा था ?
कल तुम्हारे पास किसका पत्र आया था ?

6. निजवाचक सर्वनाम – ऐसे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – आप, स्वयं, खुद।
जैसे – मैं अपने आप चला जाऊँगा।

सर्वनाम में आप शब्द का प्रयोग विभिन्न सर्वनामों में किया जाता है जिसका सही प्रयोग निम्न तरीकों से जाना जा सकता है।

(i) अगर 'आप' शब्द का प्रयोग 'तुम' शब्द के रूप में किया जाता है तो – मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।

(ii) 'आप' शब्द का प्रयोग स्वयं के अर्थ में होने पर – निजवाचक सर्वनाम होगा।

(iii) आप शब्द का प्रयोग किसी अन्य व्यक्ति में परिचय करवाने के लिए प्रयुक्त हो तो वाक्य में अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।

अंग्रेजी

NOUN (संज्ञा)

- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun कहते है ।
- यह पाँच प्रकार की होती है :-
  1. **Proper Noun** (व्यक्तिवाचक संज्ञा) – जब व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो ।
     Eg:- Ram, Delhi, Gita etc.
  2. **Common Noun** (जातिवाचक संज्ञा) – जब एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो ।
     Eg:- King, Boy, City, Girl etc.
  3. **Collective Noun** (समूहवाचक संज्ञा) – जब समूह का बोध हो है ।
     Eg:-
     Team, Herd, Committee, Army etc.
  4. **Material Noun** (द्रव्यवाचक संज्ञा) – जब ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएं बनायी जा सके ।
     Eg:- Gold, Silver, iron, wood etc.
  5. **Abstract Noun** (भाववाचक संज्ञा) – जब ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था का बोध हो जिन्हे देखा व छुआ नहीं जा सके, केवल महसूस किया जा सकता हैं ।
     Eg:-
     Honesty, Virtue, Kindness, Jealous etc.

Important Point

1. कुछ Noun ऐसे होते है जो देखने में Plural लगते है, परंतु अर्थ में Singular होते है ।
   Such as - Civics, Mathematics, Ethics, Politics, Economics, Mumps, Billiards, Athletics etc.
   Eg:- Civics is a good subject.
2. कुछ Noun देखने में singular लगते है, लेकिन अर्थ में Plural होते है ।
   Such as - Cattle, Gentry, Peasantry (किसानी), Poultry (मुर्गीफॉर्म), Clergy (पादरी लोग) etc.
   Eg:- Cattle are grazing in the field.
3. कुछ शब्द जैसे– Committee, Audience, Police, team, mob (भीड) देखने में Singular लगते है but अर्थ में Plural होते है ।
4. कुछ Noun का Use Singular form में किया जाता है, ये Uncountable Noun होते है ।
   Such as - Scenery, Furniture, information, advice, poetry, luggage, luck, language, business, knowledge, money, Jewelry.
   Eg:-
   He gave me information's (information).
   I like Shakespeare's poetries (Poetry).
5. कुछ Noun Singular व Plural दोनों में Use होते हैं ।
   Such as –
   Dear, Fish, Crew, Family, team, counsel (परामर्श)
6. यदि किसी Noun से पूर्व Preposition आता है तो वह Singular noun होता है ।
   Eg:- Ship after ship is coming.
7. कुछ noun ऐसे होते है जिनमें 'S' लगाने से उनका अर्थ बदल जाता है ।
   Such as -
   Water – Waters (समुद्र)
   People – Peoples (बहुत से राष्ट्र के लोग)
   Iron – irons (बेडिया)
   Physic (दवा) – Physics (भौतिकी)
   Eg:- your physics is (are) poor.
8. Dozen (दर्जन), Gross, score, hundred, thousand, Million (10 Lac), Billion (100 Lac), Weight, stone, pair, units में एक जैसा प्रयोग होता है अर्थात् Singular or Plural दोनो में प्रयोग होता है ।
   Eg:-
   I have bought two dozens (Dozen) pencils.
   I have bought dozens of Bananas.
9. 'ICS' ending noun के पहले 'The' अथवा possessive, adjective, my, your, our का प्रयोग होने पर इनका अर्थ बदल जाता है अतः ये plural noun के रूप में बदल जाते है ।
   Eg.:- My mathematics are not very good.

10. (i) Cloths – बिना सिले हुए
Clothes – सिले हुए
(ii) Cost - कीमत
Price – कीमत
- Cost का use amount of paid by the shopkeeper के अर्थ में होता है।
- जबकि price का अर्थ Amount Paid by customer के रूप में होता है।

Eg :- The price of production of automobile items has gone up. (The cost of)
Eg :- Sometimes buyers (खरीदने वाला) have to pay higher costs for items. (Higher price)

11. 'House' का प्रयोग A building to live in के अर्थ में करते हैं।
Eg :- Quarters are homes allotted for a definite period. (×)
Quarters are houses allotted for a definite period. (✓)

12. कुछ Nouns का प्रयोग Plural form में ही होता है। इनके अंतिम में लगे 'S' को हटाकर singular नहीं बनाया जा सकता है।
Scissors, tongs, pliers, trousers, plants, pajamas, shorts, gallus, Spectacles, binoculars, alms, amends, fireworks, outskirts, particulars etc.
Eg:- All his assets were seized.
Alms are given to the beggars.

13. Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural noun में नहीं होता है।
Eg :- He gave me two hundred rupees notes. (×)
He gave me two hundred rupee notes. (✓)
He stays in five stars hotels. (×)
He stays in five star hotels. (✓)

14. Common Gender Nouns
जैसे– teacher, student, child, clerk, advocate, worker, writer, leader, musician etc. dual gender noun होते हैं। इनके साथ सामान्य तथा he/his/him प्रयोग करते हैं।
Eg :- Every leader should perform his duty.
A teacher should perform his duty sincerely.

15. कुछ शब्दों का सही प्रयोग–

गलत प्रयोग	सही प्रयोग
Cousin brother/sister	Cousin
Pick pocketer	Pickpocket
Good name	Name
Big/small blunder	Blunder
Strong breeze	Strong wind
Bad dream	Night mare

Some Important Collective Noun :-

बाल का समूह	-	Turp of hair
गुथे बालों का समूह	-	Shock of hair
स्त्रोताओं की मण्डली	-	An assembly of listeners
न्यायाधीशो की मण्डली	-	A bench of Judges
कूड़े-कचरे का ढेर	-	heap of rubbish
मुर्गी के बच्चों का समूह	-	flock of chickens
सोने का ढेर	-	hoard of gold
राज्यों का संगठन	-	league of states
अनाजों का ढेर	-	A sheaf of corn
हथियारों का ढेर	-	Piles of arms
अध्ययन का पाठ्यक्रम	-	A syllabus of studies
सैनिकों का समूह	-	Regiment of soldiers
दीमकों का झुंड	-	A colony of termites

Some Important Abstract Noun

Adjective	Abstract Noun	Verb	Abstract Noun
Able	Ability	Belong	Belongings
Brief	Brevity	Allow	Allowance
Careful	Carefulness	Accede	Access
Capable	Capability	Admit	Admission
Efficient	Efficiency	Attend	Attendance
Faithful	Faithfulness	Choose	Choice
Hard	Hardship	Carry	Carriage
Excellent	Excellence	Consume	Consumption
Curious	Curiosity	Deceive	Deceit
Careless	Carelessness	Practice	Practice
Busy	Business	Behave	Behavior
Active	Activity	Arrive	Arrival

Words Denoting Group :-

Lions	-	Pride (Female), Coalition (male)
Dogs	-	Kennel, Pack (आवारा, शिकारी कुत्ते)
Trees	-	Woodland, Grove (बड़े वृक्षों, छोटे पौधों)
Tigers	-	Ambush, Streak
Ships	-	Fleet, Armada (Normal ships, war ships)
Sheep's	-	Flock, Herd, Mob
Fish	-	School, Shoal (बहुत सारे shoal एक line में आ जाये)
Magicians	-	Wizard, Warlock (+ve effects, -ve effects)
People	-	Crowd, Mob (disarrange group, अव्यवस्थित भीड़)
Puppy	-	Litter of puppies

Noun and Gender:-

Gender –

Masculine	–	Poet, horse, fox
Feminine	–	Poetess/ Mare/ Vixen
Neuter	–	Chair, Pen
Common	–	Friend/ Student

Masculine	Feminine
Tutor (नीति शिक्षक)	Governess (नीति शिक्षिका)
Nephew (भतीजा)	Niece (भतीजी)
Groom (दुल्हा)	Bride (दुल्हन)
Wizard (जादूगर)	Witch (जादुगरनी)
Lover (प्रेमी)	Beloved (प्रेमीका)
Lord (स्वामी)	Lady
Gander (हंस)	Goose (हंसीनी)

- कुछ शब्दों को Feminine मानते है अतः इनके साथ Pronoun Her, Hers, She या herself लगाते है।

  Such as - The moon, The earth, Nature, Spring, Virtue, Charity, mercy, peace, ship, river, nation, fame, city, liberty.

  Eg :-

  The moon shed <u>its</u> (her) light on the bank.

  Love virtue <u>it</u> (she) is alone free.

- The Sun, time, death, wind, Summer, thunder, Ocean, love, war, wine को masculine माना जाता है । इनके साथ He, his, him, himself का Use करते है।

  Eg :-

  Death lays her (his) icy hand or king.

- Everything, something, anything, nothing, indefinite pronoun है, ये neuter gender को प्रकट करते है ।

  Eg :-

  Everything should be kept in his (×) /its (✓) order.

  This is Mohan's Pen. (यह मोहन का पेन है ।)

  This is the door of the house. (यह घर का दरवाजा है ।)

  This is Girl's college. (यह लडकियों का विद्यालय है ।)

- यदि दो noun and से जुडे हो तो उनके बीच close relation ना हो तो दोनों nouns के (अलग-अलग अधिकार के अर्थ में) साथ Apostrophe's का प्रयोग करते है।

  Eg:-

  Mohan's and Sohan's house. (मोहन का घर और सोहन का घर ।)

  Note :- यदि सम्मिलित अधिकार की बात है तो last noun के साथ Apostrophe's लगाते है ।

  Eg:- Mohan and Sohan's house.

Exercise Noun

1. 'Gold' is the kind of noun-
a. Proper noun
b. collective noun
c. Abstract noun
d. Material noun

2. 'Army' is the kind of noun-
a. Proper noun
b. Collective noun
c. Common noun
d. Abstract noun

3. 'Six boys' is the noun-
a. Countable noun
b. Uncountable noun
c. Neither countable nor uncountable noun
d. None of these

4. Countable nouns include the nouns-
a. Common noun
b. Collective noun
c. Both the common and collective nouns
d. None of these

5. 'Man' is the kind of noun-
a. Proper noun
b. Collective noun
c. Abstract noun
d. Common noun

6. Uncountable noun consist of-
a. common and material nouns
b. Material and abstract nouns
c. Abstract and collective nouns
d. Collective and material nouns

7. 'Abstract noun' is the name of-
a. Action b. Quality
c. State d. All of these

8. Countable noun is-
a. Book b. Sugar
c. Milk d. Information

9. Uncountable noun are-
a. Furniture b. Information
c. Sugar d. All of these

Find out the part which has an error in the following sentences -

10. Six hours(a)/ are (b)/ a long(c)/ period (d).
11. Neither of (a)/ the Woman (b)/ is (c)/ Present (d).

12. A set of (a)/ questions (b)/ have been (c)/ given (d).
13. Many a students (a)/ has (b)/ decided to (c)/ Study minutely (d).
14. One of they best (a)/ friend is (b)/ both a novelist (c)/ and poet of repute (d).
15. My politics (a)/ is not your's (b)/ but I like (c)/ what you say (d).
16. A number of (a)/ students is going to (b)/ the classic (c)/ Picnic (d).
17. All the Chief Minister (a)/ are responsible for the (b)/ Pitiable condition (c)/ of their states (d).
18. Two dozens (a)/ egg have (b)/ been (c)/ bought (d).
19. The teacher was (a)/ specially pleased that (b)/ one of her student was (c)/ a topper of the university (d).
20. Some phenomenon (a)/ of nature (b)/ are difficult (c)/ to explain (d).

Fill in the blanks with suitable pronoun-

21. This book is mind and that is ……

a. your b. your's
c. your d. you

22. Sakshi is more intelligent and beautiful than ……

a. I b. me
c. my self d. mine

23. It is …… who is severely punished.

a. him b. his
c. he d. them

24. Have you any objection to …… going to your house?

a. I b. my
c. mine d. me

25. I was unable to say whether …… was a boy or not-

a. he b. she
c. it d. that

Answers

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
d	b	a	c	d	b	d	a	d	b
11.	12.	13.	14.	15.	16.	17.	18.	19.	20.
b	c	a	b	b	b	a	a	c	a
21.	22.	23.	24.	25.					
c	a	c	b	c					

Explanations

1. 'Gold' material noun है क्योंकि जिन वस्तुओं या पदार्थो से कोई चीज बनायी जाती है वे material noun कहलाते है ।
2. Suchas - Milk, gold, steel, cotton etc.
3. 'Army' collective noun है क्योंकि प्राणियों या वस्तुओं के समूहों के नाम को collective noun कहते है और 'Army' से सैनिकों का बोध होता है ।
4. 'Six boys' countable noun है क्योंकि सजीव या निर्जीव वस्तुयें जिनकी गिनती की जा सकती है countable noun कहलाती है ।
5. Countable nouns के अन्तर्गत common nouns और collective nouns दोनों ही आते है क्योंकि ये दोनों गिने जा सकते है ।
6. 'Man' common noun है क्योंकि जिस शब्द से प्राणी या वस्तु की पूरी जाति का बोध होता है वह common noun कहलाता है और यहा Man से मनुष्य जाति का बोध होता है अतः यह common noun है ।
7. Uncountable nouns के अन्तर्गत material nouns और abstract nouns आते है क्योंकि इनकी गिनती नहीं की जा सकती है ।
8. प्राणी या वस्तु के कार्य (action) या गुण (quality) आदि को व्यक्त करने वाले शब्द Abstract noun कहलाता है ।
9. 'A book' countable noun है क्योंकि इसे गिना जा सकता है ।
10. Furniture, information एवं Sugar तीनों ही uncountable noun है क्योंकि इन्हें गिना नहीं जा सकता है अतः विकल्प (d) सही है ।

11. are की जगह is का प्रयोग होगा क्योंकि distance, time तथा weight को एक unit मान लिया जाये तो उसके साथ singular verb का प्रयोग होता है ।
12. Woman की जगह women का प्रयोग होगा क्योंकि neither of के बाद plural noun का प्रयोग होता है ।
13. Have की जगह has का प्रयोग होगा क्यांकि of से बने collective noun (a set of…) के बाद singular verb का प्रयोग होता है ।
14. Students की जगह student का प्रयोग होगा क्योंकि many taken के बाद singular noun का प्रयोग होता है ।
15. Friend की जगह friends का प्रयोग होगा क्योंकि One of के बाद plural noun का प्रयोग होता है ।
16. Is की जगह are का प्रयोग होगा क्योंकि politics को particularise करने पर इसके साथ plural verb का प्रयोग होता है ।
17. Is की जगह are का प्रयाग होगा क्यांकि a number of के बाद plural verb का प्रयोग होता है ।
18. Chief Minister की जगह chief ministers का प्रयोग होगा क्योंकि compound noun के मुख्य भाग का plural बनाकर पूरे भाग की plural बनाया जाता है ।
19. Dozens की जगह Dozen का प्रयोग होगा क्योंकि dozen, hundred, thousand के अंत में ‘s’ का प्रयोग नहीं होता है ।
20. Student की जगह students का प्रयोग होगा क्योंकि One of के बाद plural noun का प्रयोग होता है ।
21. Phenomenon की जगह phenomena होगा क्योंकि some के बाद plural countable noun का प्रयोग होता है ।

PRONOUN

- Noun के बदले प्रयुक्त होने वाले शब्द को Pronoun कहते है ।
- Noun के repetition से बचने के लिए ही pronoun का प्रयोग किया जाता है ।

Pronoun के प्रकार

1. Personal Pronoun (पुरूषवाचक सर्वनाम) - I, me, we, us, you, he, him, she, etc.
2. Relative Pronoun (संबंधवाचक सर्वनाम) - Who, whom, whose, which, that etc.
3. Interrogative Pronoun (प्रश्नवाचक सर्वनाम) - Who, what, whom, whose, where, etc.
4. Reflexive Pronoun (निजवाचक सर्वनाम) - Myself, ourselves, yourself, yourselves, etc.
5. Emphatic Pronoun (दृढ़ता वाचक सर्वनाम) - Myself, yourself, himself, herself etc.
6. Demonstrative Pronoun (संकेतवाचक सर्वनाम) - This, that, these, those etc.
7. Reciprocal Pronoun (परस्पर सूचक सर्वनाम) - Each other, one another etc.
8. Distributive Pronoun (विभागबोधक सर्वनाम) - Each, either, neither, every, none etc.
9. Indefinite Pronoun (अनिश्चित सर्वनाम) - Everybody, somebody, someone, no one, much, few, little etc.
10. Exclamatory Pronoun (विस्मयादिबोधक सर्वनाम) - What! etc.
11. Possessive Pronoun (अधिकारवाचक सर्वनाम) - Mine, ours, yours, his, hers etc.

- **Personal Pronoun** :- वे pronoun जो तीनों persons (1,2,3) में होते है ।

Persons	Subjective Case	Objective Case
1st person	I	Me
	We	Us
2nd person	You	You
3rd person	He	Him
	She	Her
	It	It
	They	Them

- **Relative Pronoun** :- वे pronoun जो अपने पहले प्रयुक्त nouns या noun equivalent words से संबंध बताते है तथा दो sentences को जोडने का कार्य करते है, Relative Pronoun कहलाते है । (Who, which, that, whom, whose etc.)

  Ex :-
  I met Veena, who was returning from school.
  (R.P.)
  The pen that my father gave writes well.

- **Interrogative Pronoun :-** वे pronoun जो प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त होते है ।
  जैसे– (What, who, where, whose, which)

- **Reflexive Pronoun:-** जब वाक्य में 'स्वयं', खुद ही, खुद को, अपने आप जैसे शब्दों का प्रयोग हो तब Reflexive Pronoun का use होता है ।
  Ex :- The poor man poisoned himself and his children.

- **Emphatic Pronoun** :- यदि sentence में प्रयुक्त verb से पूर्व Myself, himself, yourself, itself आये तो Emphatic होता है और बाद में आये तो Reflexive Pronoun होता है ।
  Ex :- I myself did it. (Emphatic)
  I did it myself. (Reflexive)

- **Demonstrative Pronoun:-** This/that/these/those, such, the same.
- **Reciprocal Pronoun :-** Each other/one another.
  दो के बीच परस्पर शब्द की अंग्रेजी – Each other
  दो से अधिक के लिये – One Another
  Ex:-
  Ram and Sohan quarrel each other. (✓)
  Four sons quarrel one another. (✓)
- **Distributive Pronoun:-** Each, either, neither
- **Indefinite Pronoun :-** Somebody, anybody, everybody, nobody, anyone, all.
- **Exclamatory Pronoun: -** What!

Uses of Pronouns

1. Personal Pronoun

(i) जब विभिन्न Pronoun एक ही sentence में प्रयुक्त हो तब–
बुरी बात का आभास न हो → 2 3 1
बुरी बात कही गयी हो → 1 2 3
Ex:- You, he and I shall study for the exam. (Good sense)
I, you and he have made a blunder. (Bad sense)

(ii) Let, like, between, but, except एवं preposition के बाद objective case का प्रयोग होता है ।
Ex:- Let me do this work.
My daughter looks like me.

(iii) दो Nominative के बीच तुलना हो तो As/than के बाद Nominative case का प्रयोग
Ex:- He is as fast as I.
I run faster than he.

दो objective के बीच तुलना हो तो As/than के बाद objective case pronoun का प्रयोग किया जाता है ।
Ex:- I know you as much as him.

2. Possessive Pronoun

(i) इनका प्रयोग noun के पहले नहीं होता है।
Eg:-
<u>Ours</u> school was closed for four days. (×)
<u>Our</u> school was closed for four days. (✓)

(ii) sentence में verb के subject के रूप में–
Ex:- <u>Yours</u> is a new car.
<u>Hers</u> is a beautiful house.

(iii) sentence में verb के object के रूप में–
Ex:- Save your time and <u>mine</u> too.

(iv) Preposition के object के रूप में–
Ex:- I prefer your help to <u>hers</u>.

(v) Separation, leave, excuse, mention, report, pardon, sight, favor के साथ possessive case –
Ex:- <u>At his sight</u> the robbers fled. (×)
<u>At the sight of him</u> the robbers fled. (✓)

(vi) Gerund (V^1 + ing) के पहले possessive adjective का प्रयोग –
Ex.:- I was confident of <u>my</u> winning the match.
She was not confident of <u>her</u> doing well in the examination.

3. Reflexive Pronoun

(i) Acquit, avail, reconcile, amuse, resign, avenge, except, apply, adapt, adjust, pride, absent एवं enjoy के बाद Reflexive –
Ex:- You should avail <u>yourself</u> of this opportunity.
The officers acquitted <u>themselves</u> well during the crisis.